**S.D.E.**

**S.Y.B.A. (2008 Course) : SUMMER - 2019**

**SUBJECT : HINDI (S - 2)**

Day : **Saturday** Time : 11.00 AM TO 02.00 PM

Date : **20/04/2019** **S-2019-4589** Max. Marks. : 80

---

**सूचनाएँ:**

१) सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

२) **दाहिनें** ओर दिए हुए अंक **गुणों का** दर्शन करते हैं।

३) दोनों विभाग **एक ही** उत्तरपत्रिका में लिखिए।

---

## विभाग - १

**प्र.१** निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** के उत्तर लिखिए। **(१६)**

**अ)** कबीर के भाव-पक्ष पर प्रकाश डालिए।

**ब)** घनानंद के कला-पक्ष का विवेचन कीजिए।

**क)** सूरदास की गोपियों का चित्रण कीजिए।

**ड)** भूषण के 'शिवाबावनी' का युध्द वर्णन कीजिए।

**प्र.२** टिप्पणी लिखिए। (**कोई भी चार**) **(१६)**

**अ)** कबीर की खीचडी भाषा

**ब)** सूर का 'सूरसागर'

**क)** तुलसीदास की सौंदर्य दृष्टि

**ड)** घनानंद : प्रेम की मार्मिक व्यंजना

**इ)** बिहारी का कला पक्ष

**फ)** भूषण के शिवाजी।

## विभाग - २

**प्र.३** निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** के उत्तर लिखिए। **(१६)**

**अ)** माया दीपक नर पतंग, भ्रमि भ्रमि इवै पडंत।
कहै कबीर गुरू ज्ञान थै, एक आध उबरत।।

**ब)** ऊधौ माहि ब्रज बिसरत नाहीं।
हंस सुता की सुंदरि कगरी अरूकुंजन की छाहीं।।
ग्वाल बाल सब करत कुलाहल नाचत गहि गाह बाहीं।।

**क)** बद्दल न होहिं दल-दच्छिन उमडिं आयो,
घटा ये न होय इभ सिवाजी हँकरी के।
दामिनी-दमंक नाहिं खुले खग्ग बीरन के,
इंद्रधनु नाहिं ये निसान हैं सवारी के।।

**प्र.४** निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** के उत्तर लिखिए। **(१६)**

**अ)** कबीर की सामाजिक दृष्टि का विवचन कीजिए।

**ब)** जायसी के पद्मावत की शैली पर प्रकाश डालिए।

**क)** घनानंद की प्रेम विषयक विशेषता का वर्णन कीजिए।

**ड)** सूरदास के गोपियों और उध्दव संवाद विशद कीजिए।

**प्र.५** टिप्पणी लिखिए। (**कोई भी चार**) **(१६)**

**अ)** कबीर का 'गुरूदेव कौ अंग'

**ब)** जायसी की पद्मावत

**क)** घनानंद का काव्य सौंदर्य

**ड)** सुरदास के विनय-पद

**इ)** बिहारी की नायिका

**फ)** भूषण का कला-पक्ष।

* * * *